

# अखिल भारतीय हिंदी वैज्ञानिक वेब संगोष्ठी

-: शीर्षक :-

"आत्मनिर्भर भारत की उड़ान-  
विज्ञान एवं तकनीक का योगदान"

(11-12 जनवरी, 2021)

## संगोष्ठी रिपोर्ट



राजभाषा कार्यान्वयन समिति  
इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम  
तमिलनाडु- 603 102

विषय सूची

➤ विषय सूची.....	2
➤ प्रस्तावना:.....	3
➤ संगोष्ठी का उद्देश्य:.....	3
➤ संगोष्ठी परिचय:.....	3
➤ आयोजन समिति:.....	4
➤ उद्घाटन सत्र :.....	4
➤ मुख्य अतिथि संबोधन : .....	6
➤ तकनीकी सत्र – 1 - दिनांक: 11-01-2021, समय: 10:30 बजे से - 13:00 बजे तक .....	11
➤ तकनीकी सत्र - 2 - दिनांक: 11.01.2021, समय:14:00 बजे से - 16:00 बजे तक .....	12
➤ तकनीकी सत्र - 3 - दिनांक : 12-01-2021, समय :10:30 बजे से - 13:00 बजे तक.....	13
➤ तकनीकी सत्र - 4 - दिनांक : 12-01-2021, समय: 14:00 बजे से - 15:30बजे तक .....	14
➤ वेब-संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुतकर्ताओं का विवरण :.....	17
➤ वेब-संगोष्ठी में भाग लेने वाले सामान्य प्रतिभागियों का विवरण:.....	19
➤ आयोजन समिति की रूपरेखा.....	22

**-: संपर्क सूत्र :-**

उप निदेशक (राजभाषा)

हिंदी अनुभाग

इंदिरा गाँधी परमाणु अनुसंधान केंद्र

कल्पाक्कम, तमिलनाडु-603102

ईमेल: [ddol@igcar.gov.in](mailto:ddol@igcar.gov.in) / [hindiseminar.igcar@gmail.com](mailto:hindiseminar.igcar@gmail.com)

फोन: 044-27480500 (विस्तार 22748/22829)

### प्रस्तावना:

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम की राजभाषा कार्यान्वयन समिति प्रतिवर्ष विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी) के उपलक्ष्य में हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन करता आ रही है। कोरोना (कोविड-19) महामारी के कारण, इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस-2021 को ऑनलाइन माध्यम से वेबिनार के रूप में "आत्म निर्भर भारत की उड़ान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान (Journey towards Self-reliant India - Role of Science & Technology)" की थीम पर 11 व 12 जनवरी, 2021 को मनाये जाने का निर्णय लिया गया था और इस आयोजन में सामान्य सेवा संगठन (सासेसं), कल्पाक्कम को सह-आयोजक के रूप में शामिल किया गया। इस हेतु देश भर में फैले परमाणु ऊर्जा विभाग की यूनिटों, प्रमुख वैज्ञानिक तथा अनुसंधान संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिष्ठानों, अखिल भारतीय शैक्षणिक संस्थानों आदि से प्रविष्टियां मांगी गईं और अनुसंधानरत वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारियों, शोधार्थियों आदि से इस वेब-संगोष्ठी में ऑनलाइन प्रस्तुति हेतु उक्त विषय के अंतर्गत लेख आमंत्रित किए गए। इस वेब-संगोष्ठी में भाग लेने के लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं रखा गया था।

### संगोष्ठी का उद्देश्य:

इस संगोष्ठी का लक्ष्य, विषय संबंधी तकनीकी जानकारी का अद्यतन एवं आदान-प्रदान सुलभ कराना है और साथ ही अधिकारियों को अपने वैज्ञानिक/तकनीकी लेखों को राजभाषा हिंदी में लिखने के लिए प्रेरित करना है। हिंदी में तकनीकी ज्ञान का प्रसार और प्रोत्साहन भी इस संगोष्ठी का एक और मुख्य उद्देश्य रहा है।

### संगोष्ठी परिचय:

विज्ञान एवं तकनीक देश को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। स्वदेशी अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहन और अनुदान देकर भारत सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सकेगा। अनुसंधान कार्यों को इस तरह दिशा देनी होगी कि विज्ञान के लाभों को समाज तक पहुंचाने के लिए प्राथमिकता दी जाए। प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण के लिए शिक्षा और उद्योग जगत के बीच सहयोग बढ़ाने के उपायों पर और अधिक काम करना होगा। आत्मनिर्भरता का मतलब यह नहीं है कि हम विश्व से अलग-थलग रहें, बल्कि इसका मूल मंत्र है दुनिया के अन्य देशों के साथ बढ़ती परस्पर साझेदारी-सहयोग का उपयोग देश को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए करें। परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत नाभिकीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन के अलावा, चिकित्सा,

कृषि, खाद्यान्न संरक्षण, पेय जल, उद्योग ऐसे कई क्षेत्रों में परमाणु ऊर्जा और विकिरण के कई संरक्षित अनुप्रयोग हैं जो स्वदेशी विकसित होने के साथ-साथ उत्पाद की गुणवत्ता में विश्वस्तरीय हैं। संगोष्ठी के प्रतिभागियों से आग्रह किया गया कि वे अपने या अपने संस्थान के मौलिक कार्यों पर प्रकाश डालें और आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके प्रयासों पर चर्चा करें।

### आयोजन समिति:

संगोष्ठी का आयोजन केंद्र के निदेशक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राभाकास) के अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार भादुड़ी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से संपन्न हुआ। श्री ओ. टी.जी. नायर, निदेशक (का एवं प्र) एवं सह-अध्यक्ष, राभाकास का बहुमूल्य मार्गदर्शन आयोजन समिति को प्राप्त हुआ। संगोष्ठी की सम्पूर्ण गतिविधियों का नेतृत्व डॉ.बी.के. नशीने, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सहायक निदेशक, एसएफजी एवं वैकल्पिक अध्यक्ष, राभाकास ने प्रदान किया। आयोजन समिति के संयोजक के रूप में डॉ. अवधेश मणि, वैज्ञानिक अधिकारी/एच एवं प्रधान, एलटीएसएस तथा सह-संयोजक के रूप क्रमशः डॉ. वाणी शंकर, वैज्ञानिक अधिकारी/जी, एवं श्री नरेंद्र कुमार कुशवाहा, वैज्ञानिक अधिकारी/ए ने संगोष्ठी से जुड़े सम्पूर्ण तकनीकी कार्यों का निर्वाहन किया। आयोजन समिति अन्य सदस्यों का विवरण अनुलग्नक-'क' पर प्रस्तुत है।

### उद्घाटन सत्र :

वेब-संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र 11 जनवरी, 2021 को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुआ। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. अवधेश मणि ने स्वागत संबोधन करते हुए मुख्य अतिथि एवं केंद्र निदेशक डॉ. अरुण कुमार भादुड़ी, वेबिनार लेने वाले सभी आमंत्रित वक्ताओं, मौखिक प्रस्तुतकर्ताओं एवं कक्ष में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, सत्राध्यक्षों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। हमारा भी एक सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि हम अपने कार्यक्षेत्र में हो रहे कार्यों को राजभाषा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाएं। हिंदी जन-जन की भाषा होने के कारण हमारा कर्तव्य बन जाता है कि देश के विभिन्न अनुसंधान एवं विकास कार्यों को लोगों तक पहुंचा सके। यह आज खुशी की बात है कि आज इस संगोष्ठी में पऊवि इकाइयों के अलावा शिक्षण संस्थान छात्र भी भाग लेकर अपने अनुसंधान प्रयासों को साझा कर रहे हैं।



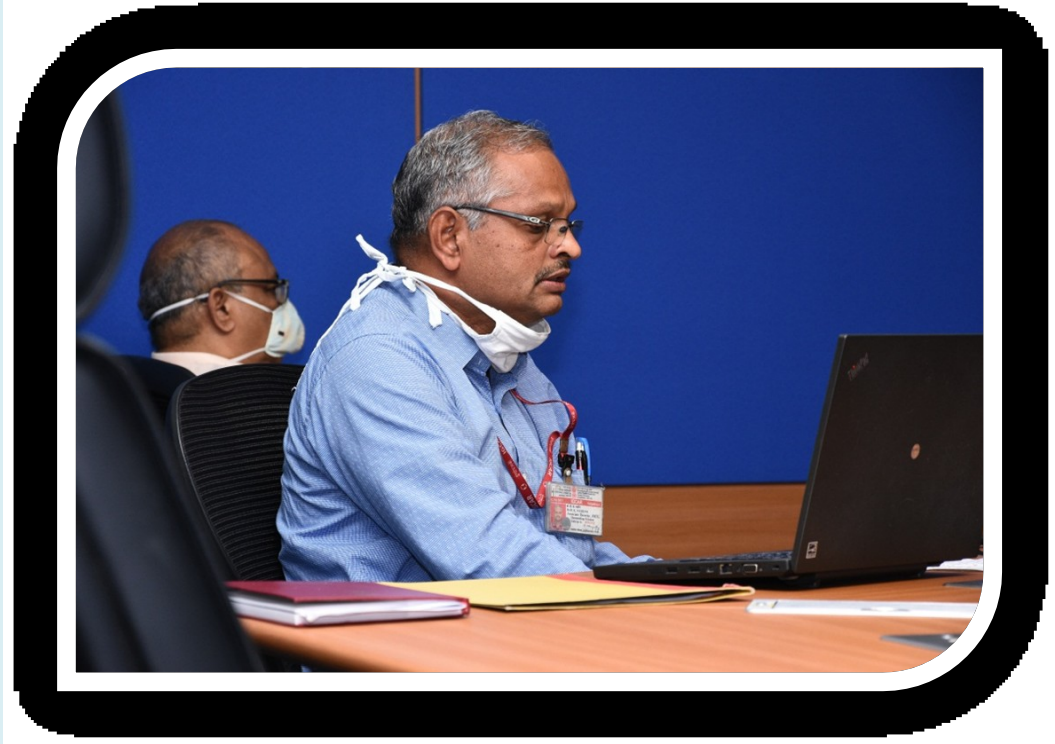
डॉ. अवधेष मणि, संयोजक सभा को संबोधित करते हुए

श्री जे. श्रीनिवास, उप निदेशक (राजभाषा) ने संगोष्ठी की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। संगोष्ठी में आमंत्रित मुख्य वार्ताकारों, सत्राध्यक्षों और परमाणु ऊर्जा विभाग की इकाइयों, शिक्षण संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों से जुड़े सभी वक्ताओं का परिचय कराया। साथ ही उन्होंने केंद्र में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की देखरेख में संपन्न हुई प्रमुख राजभाषा गतिविधियों का भी संक्षिप्त विवरण दिया।

श्री ओ.टी.जी. नायर, निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन), इंगांपअके जी ने अपने कक्ष से ऑनलाइन के माध्यम से जुड़ते हुए वेबनार के सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं सत्राध्यक्षों को विश्व हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने केंद्र में अखिल भारतीय स्तर पर हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन पहली बार ऑनलाइन माध्यम से किए जाने को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर डॉ.बी.के. नशीने, सह निदेशक, एसएफजी, इंगांपअके ने अपने संबोधन में ऑनलाइन माध्यम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा के चलते जहां सभी स्कूल, कॉलेज और ऑफिस बंद पड़े हैं, यहां तक कि लोगों के आवागमन पर भी काफी प्रतिबंधित लगाने पड़े थे, तब ऑनलाइन ने हमें यह सिखाया कि आप किसी कोने में बैठकर दुनिया के किसी दूसरे हिस्से से रूबरू हो सकते हैं।

ऑनलाइन माध्यम को अपनाने से समय और श्रम की बचत होती ही है साथ ही साथ हम कई गैर-जरूरी खर्चों पर लगाम लगा सकते हैं। उन्होंने एक और फायदे का जिक्र करते हुए कहा कि जहां ऑफलाइन में कुछ हमारे वरिष्ठ वैज्ञानिक कार्यों की व्यस्तता के कारण दूर यात्रा करके भौतिक रूप से संगोष्ठी में नहीं आ पाते थे, आज ऑनलाइन माध्यम ने इस समस्या को पूरी तरह खत्म कर दिया और आज हमें खुशी है कि हमारे संगोष्ठी में दो बड़े विद्वान डॉ. कल्लोल राय, सीएमडी, भाविनि एवं पुरुषोत्तम श्रीवास्तव, निदेशक, पीएजी, आरआरकैट, इंदौर से हमारे साथ जुड़ पाएं। हम उनके आभारी हैं।



डॉ.बी.के. नशीने, सह निदेशक, एसएफजी, इंगांपअकें वेबिनार में बोलते हुए

### मुख्य अतिथि संबोधन :

डॉ. अरुण कुमार भादुड़ी, निदेशक एवं अध्यक्ष, राभाकास, इंगांपअकें/सासेसं, वेबिनार में अपने कक्ष से ऑनलाइन के माध्यम से जुड़े और सभी गणमान्य अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं राभाकास समिति इंगांपअकें/सासेसं के सदस्यों का अभिवादन किया। निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि जनवरी 2020 में आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी की भांति ही इस वर्ष वेबिनार के लिए भी बड़ी काफी संख्या में हमें नामांकन प्राप्त हुए और वक्ताओं और प्रतिभागियों के ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने की रुचि ने यह साबित किया कि कोई भी विपरीत परिस्थित पैदा होने पर प्रौद्योगिकी के सहारे हम अपने कार्यों के सुचारू

निर्वहन के लिए वैकल्पिक रास्ता अपना सकते हैं। उन्होंने केंद्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्रे में बैठकों के दूरस्थ आयोजन के लिए Vi Meet नामक एप्लीकेशन का विकास किया गया है और हम लगातार इसमें आवश्यकतानुसार नए फीचर जोड़कर इसका विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र की मुख्य वैज्ञानिक गतिविधियों का जिक्र करते हुए देश के परमाणु अनुसंधान कार्यक्रम में आईजीकार में स्थित फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर और कल्पाक्कम मिनि रिएक्टर द्वारा प्रदान किए जा रहे योगदान के बारे में चर्चा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस वेबिनार में रखे जाने वाले 2 आमंत्रित व्याख्यान और 31 प्रस्तुतीकरण से सभी प्रतिभागी लाभान्वित होंगे और वैज्ञानिकों को अपने आलेख हिंदी में तैयार करने के लिए प्रोत्साहन और प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने वेब-संगोष्ठी के लिए किए गए बेहतरीन प्रबंध के लिए आयोजन समिति और राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों एवं हिंदी अनुभाग के पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया।



अपने कक्ष से संबोधित करते हुए निदेशक, इंगांपअर्के (होस्ट रूम का दृश्य)



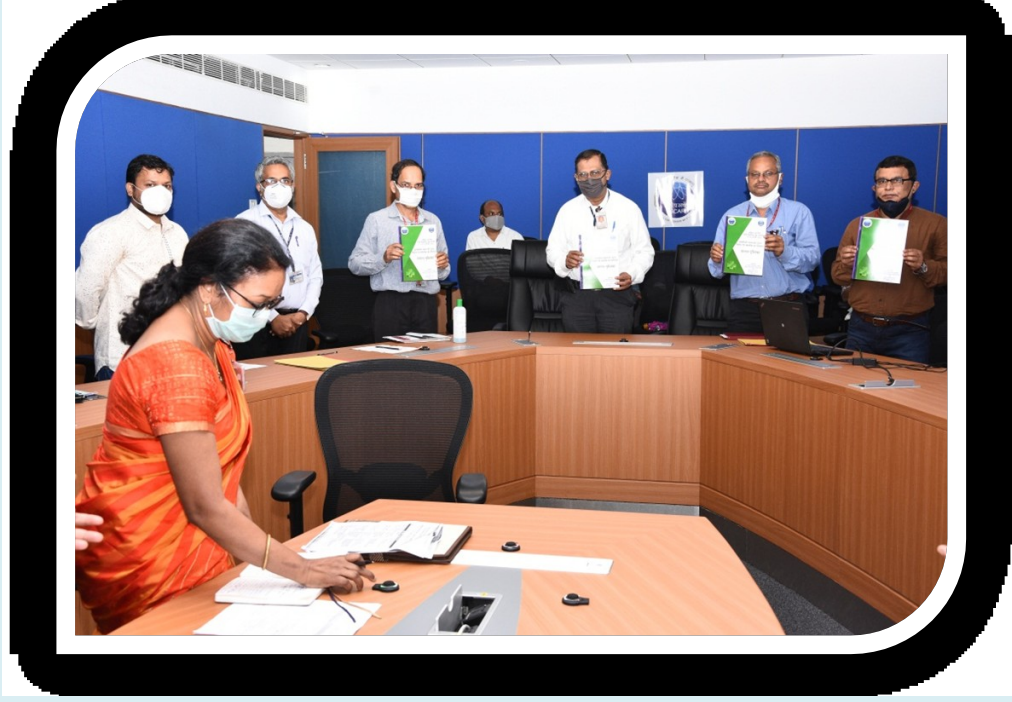
### निदेशक द्वारा सारांश पुस्तिका का विमोचन

इसके पश्चात संगोष्ठी की सारांश पुस्तिका का विमोचन निदेशक द्वारा किया गया। इस सारांश पुस्तिका में कुल 33 लेख सारांश और राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी 03 रिपोर्ट शामिल किए गए। कुल 106 पृष्ठ की इस पुस्तिका के संकलन, संपादन एवं साज-सज्जे में हिंदी अनुभाग, इंगांपअके के पदाधिकारी श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता, हिंदी टंकक एवं श्री सुकांत सुमन, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने बुहमूल्य योगदान दिया।

उद्घाटन सत्र के अंत में डॉ. (श्रीमती) वाणी शंकर, वैज्ञानिक अधिकारी/जी एवं श्री प्रशांत शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी/एफ ने मुख्य अतिथि और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

धन्यवाद ज्ञापन के समाप्त होने के बाद, तत्काल प्रातः 10:30 बजे से संगोष्ठी के तकनीकी सत्र प्रारंभ हुए। सर्वप्रथम संयोजक ने सत्राध्यक्ष के रूप में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एन.वी.चंद्रशेखर, वैज्ञानिक अधिकारी/एच, श्री तन्मय वासल, वैज्ञानिक अधिकारी/एच, श्री शेखर कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और डॉ. बी.के. नशीने, सह निदेशक का परिचय कराया और उनका अभिवादन किया।





सारांश पुस्तिका के विमोचन के अवसर पर डॉ. कल्लोल राय, सीएमडी, भाविनि के साथ वेबिनार आयोजन समिति के कुछ सदस्य

प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य आमंत्रित व्याख्यान डॉ. कल्लोल राय, सीएमडी, भाविनि, कल्पाक्कम ने “उद्योग 4.0” विषय पर दिया।



डॉ. कल्लोल राय, सीएमडी, भाविनि “उद्योग 4.0” विषय पर मुख्य वार्ता करते हुए



## अखिल भारतीय हिंदी वैज्ञानिक वेब संगोष्ठी- 11-12 जनवरी, 2021

प्रत्येक तकनीकी सत्र में आमंत्रित वक्ताओं को 30 मिनट, आलेख प्रस्तुतकर्ताओं को 15 मिनट का समय निर्धारित आबंटित किया गया। इसके अलावा प्रतिभागियों के सवाल-जवाब के लिए भी उचित समय दिया गया। इंगांपअकें के नामित प्रतिभागियों के लिए ई-लर्निंग कक्ष में बैठने की व्यवस्था की गई थी, जहां कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। संगोष्ठी का सीधा प्रसारण केंद्र के इंटरनेट पर भी किया गया।



ई-लर्निंग रूम में उपस्थित वेबिनार के प्रतिभागीगण



## अखिल भारतीय हिंदी वैज्ञानिक वेब संगोष्ठी- 11-12 जनवरी, 2021

तकनीकी सत्र – 1 - दिनांक: 11-01-2021, समय: 10:30 बजे से - 13:00 बजे तक

**सत्राध्यक्ष**  
**Session**  
**Chairperson**



प्रथम सत्र  
1<sup>st</sup> Session

डॉ. ए. न. व. चंद्रा शेकर, सो/एच  
Dr. N.V. Chandra Shekar, SO/H

क्रसं	कोड	वार्ताकार	विषय
1.	IL-01	डॉ. कल्लोल राय सीएमडी, भाविनि, कल्पाक्कम	इंडस्ट्री 4.0- एक रूपरेखा Industry 4.0 Framework.
2.	OP-01	डॉ. सूर्यकांत गुप्ता वैअ/जी, आईपीआर, गुजरात	आत्मनिर्भर भारत हेतु प्लाज्मा तकनीक का संभावित योगदान। Potential contribution of plasma technology for self-reliant India.
3.	OP-02	डॉ. कान्तिभूषण पांडेय वरि.वै, सीएसआईआर, गुजरात	समुद्री संसाधनों का समुचित संदोहन: आत्मनिर्भर भारत की तरफ एक मजबूत कदम। Proper exploitation of marine resources: a strong step towards self-reliant India.
4.	OP-03	डॉ. बी.एन. उपाध्याय वैअ/एच, आरआरकेट, इंदौर	लेसर कर्तन एवं वेल्डन यंत्रों का स्वदेशी विकास एवं नाभिकीय क्षेत्रों में अनुप्रयोग। Indigenous development of laser shearing and welding equipment and its application in nuclear field.
5.	OP-04	श्री राजीव शर्मा वैअ/डी, आईपीआर, गुजरात	क्रायोजेनिक संयंत्र एवं घटकों का स्वदेशी विकास- नाभिकीय संलयन द्वारा भविष्य ऊर्जा स्रोत की दिशा में भारत की आत्मनिर्भरता। Indigenous development of Cryogenic Plants and Components - India's self-sufficiency towards future energy sources by Nuclear Fusion.
6.	OP-05	श्री राजेश पटेल वैअ/ई, इगांपअके, कल्पाक्कम	ई ई जी अध्ययन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का अनुप्रयोग। Application of Artificial Intelligence (AI) in EEG studies.
7.	OP-06	श्री शरीफ खान वैस/ई, रावतभाटा, राजस्थान	स्वदेशी नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों के साइट चयन से प्रचालन तक सुरक्षा अवस्थाएं। Safety Phases in Indigenous PHWR.
8.	OP-07	श्रीमती लोकेन्द्र अंजना वैअ/डी, आरएमपी, मैसूर	ईंधन अंतःक्षेपक के प्रतिबल और श्रान्ति का विश्लेषण Analysis of Stress and Strength of Fuel Injector.
9.	OP-08	मो. जुनैद खान शोधार्थी, जामिया, दिल्ली	आंतरिक उष्मा स्रोत के साथ बेलनाकार बाड़े में प्राकृतिक संवहन उष्मा स्थानान्तरण की वृद्धि का अध्ययन। Study of growth of natural convection heat transfer in cylindrical enclosure with internal heat source.

तकनीकी सत्र - 2 - दिनांक: 11.01.2021, समय:14:00 बजे से - 16:00 बजे तक

**सत्राध्यक्ष**  
**Session**  
**Chairperson**



**द्वितीय सत्र** : **श्री तन्मय वसल, परमाणव जायकारा/एच**  
**2nd Session** **ShriTanmayVasal, SO/H**

क्रसं	कोड	वार्ताकार	विषय
1.	OP-09	श्री भागवत साहू वैस/ई,रावतभाटा, राजस्थान	आत्मनिर्भर भारत की उड़ान में नाभिकीय प्रशिक्षण केंद्र की प्रशिक्षण पद्धति का योगदान। Training methodologies of Nuclear Training Center – Contribution towards of self-reliant India.
2.	OP-10	डॉ राजनारायण अवस्थी वरि.हिं.अ./ईसीआईएल, हैदराबाद	आत्मनिर्भर भारत की दिशा में विज्ञान ,तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी अनुवाद का सामंजस्य। Correlation of Science, Technical & Technological Translation in the direction of 'Aatmnirbhar Bharat'.
3.	OP-11	श्री अहमद जमाल शोधार्थी,जामिया, दिल्ली	कुंडलाकार जगह में प्राकृतिक संयोजन का अध्ययन Analysis of Natural Convection in Annular Space.
4.	OP-12	श्री अजय कुमार केशरी वैअ/डी,इंगांपअकें, कल्पाक्कम	विश्लेषिकी के मात्रात्मक विश्लेषण के लिए इलेक्ट्रॉनिक नाक का विकास। Development of an electronic nose for quantitative analysis of analytics.
5.	OP-13	श्री आलोक त्रिपाठी वैअ/जी, एनपीसीआईएल, मुंबई	भारतीय परिप्रेक्ष्य में आपदा में अवसर की पहचान Identifying the Opportunity during Pandemic in Indian Perspective.
6.	OP-14	श्री हरि शंकर यादव वैअ/डी, आरएमपी, मैसूर	यूरेनिल नाइट्रेट रैफिनेट केक का निस्तापन - ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का एक नया प्रस्ताव। Calcination of Uranyl Nitrate Raffinate Cake – A New Approach to Solid Waste Management.
7.	OP-15	श्री अविनाश कुमार आचार्य वैअ/डी,इंगांपअकें, कल्पाक्कम	दूर से सूखे पाउडर निकालने की मशीन प्रणाली का रास्पबेरी पाई आधारित डाटा मॉनिटरिंग और नियंत्रण। Raspberry Pi based data monitoring and control of remotely dried powder dispenser system.
8.	OP-16	मो. सिराज अंसारीवैस/डी,इंगांपअकें, कल्पाक्कम	इंगांपअकें परिसर में इनडोर वायु गुणवत्ता की निगरानी का अध्ययन। Study on Indoor Air Quality Monitoring in Campus of Indira Gandhi Centre for Atomic Research.

तकनीकी सत्र - 3 - दिनांक : 12-01-2021, समय :10:30 बजे से - 13:00 बजे तक

सत्राध्यक्ष  
Session  
Chairperson



तृतीय सत्र  
3<sup>rd</sup> Session

:

श्री शंकर कुमार  
Shri Shekhar Kumar, OS

क्रसं	कोड	वार्ताकार	विषय
1.	IL-02	श्री पुरुषोत्तम श्रीवास्तव निदेशक, पीएजी, आरआरकैट, इंदौर	आत्मनिर्भर भारत हेतु प्रासंगिक, उत्कृष्ट, प्रगत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकियों का योगदान एवं भविष्य की योजनाएं। Contribution of Relevant, Excellent and Advanced Science & Technologies and future plans for self-reliant India.
2.	OP-17	डॉ. रोहित कुमार तक.अ., सीएसआईआर, देहरादून	सीएसआईआर, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान में जैव-जेट और जेपी-10 ईंधन का विकास। Development of Bio-jet and JP-10 fuels at CSIR, Indian Institute of Petroleum.
3.	OP-18	श्री एस के पाठक उप महाप्रबंधक, एनएफसी, हैदराबाद	NFC में परमाणु बिजलीघरों के ईंधन संविरचन में स्वदेशीकरण एवं आत्मनिर्भरता। Indigenization & Self Reliance in fabrication of Nuclear Fuel in NFC.
4.	OP-19	श्री पंकज मिश्रा वैअ/जी, आरआरकैट, इंदौर	Mg <sub>x</sub> Zn <sub>1-x</sub> O तनु परत आधारित पराबैंगनी फोटो संसूचकों का विकास एवं निरूपण। Development and characterization of Mg <sub>x</sub> Zn <sub>1-x</sub> O thin layer based ultraviolet photo detectors.
5.	OP-20	श्री अभिषेक कुमार तक./सी, इंगांपअके, कल्पाक्कम	मूत्र के नमूने में प्लूटोनियम की नियमित निगरानी। Regular monitoring of plutonium in urine samples.
6.	OP-21	श्रीमती मानसी गर्ग वैस/डी, आईआरबी, कल्पाक्कम	जलीय धारा से नाइट्रेट निष्कासन के लिए प्रयोगशाला में संश्लेषित शून्य संयोजकता वाले लोहे के नैनो कणों का मूल्यांकन। Evaluation of in-house synthesized zero-valent iron nanoparticles for nitrate removal from aqueous streams.
7.	OP-22	डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल व.प्र.वै, सीएसआईआर, रुड़की	आत्मनिर्भर भारत हेतु युवाओं में जिम्मेदार वैज्ञानिक आचरण विकास। Inculcating Responsible Research Culture amongst Youth for a Self-Reliant Nation .
8.	OP-23	श्री प्रीतम शर्मा वैअ/डी, आरएमपी, मैसूर	रैफिनेट से ELM तकनीक के प्रयोग से TBP द्वारा, यूरेनियम की पुनः प्राप्ति का अध्ययन। Study of Uranium Recovery from Raffinate using TBP as Extractant through ELM Technique.
9.	OP-24	श्री अमित कुमार चौहान वैअ/डी, इंगांपअके, कल्पाक्कम	रिएक्टर रोकथाम भवन के माध्यम से एसजीडीएचआर पाइपिंग प्रवेश का थर्मल विश्लेषण। Thermal Analysis of SGDHR Piping Penetration through Reactor Containment Building.

तकनीकी सत्र - 4 - दिनांक : 12-01-2021, समय: 14:00 बजे से - 15:30 बजे तक

**सत्राध्यक्ष**  
**Session**  
**Chairperson**



**चतुर्थ सत्र**  
**4<sup>th</sup> Session**

**Dr. B.K. Nashine, AD**

क्रसं	कोड	वार्ताकार	विषय
1.	OP-25	श्री कान्हा चतुर्वेदी वैअ/सी, इंगांपअके, कल्पाक्कम	द्रुत प्रजनक परीक्षण रिएक्टर की "डेल्टा-टी" पहेली। The Mystery of Delta-T in Fast Breeder Test Reactor.
2.	OP-26	श्री यू. पी. श्रीवास्तव वैअ/डी, इंगांपअके, कल्पाक्कम	आत्मनिर्भर भारत की उड़ान -विज्ञान एवं तकनीक का योगदान। Contribution of S&T towards self-reliant India.
3.	OP-27	कुमारी प्रतिभा गुप्ता वैअ/एफ, आईपीआर, गुजरात	प्लाज्मा के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता (पोस्टर प्रस्तुति) Self reliance of India in the field of plasma (Poster Presentation.)
4.	OP-28	श्री धनुर्धर झा स्नातकोत्तर शिक्षक, एईसीएस, मुंबई	शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता। Growing Self-reliance in the field of Education.
5.	OP-29	श्री ज्ञानेश्वर आर मोहरीर उप प्रचार्य, एईजेसी, मुंबई	आत्मनिर्भर भारत - शिक्षा के क्षेत्र में योगदान । AtmanirbharBharat : Contribution of Education Field.
6.	OP-30	श्री दीपक कुमार चौधरी संस्कृत-हिंदी शिक्षक, एईसीएस, अणुपुरम	भारत सरकार की नई शिक्षा नीति-2020 । New Education Policy 2020 of the Government of India.
7.	OP-31	श्री गोविंद मोर्य वैअ/डी, भपाबो, मुंबई	आत्मनिर्भर भारत: भारी पानी बोर्ड का योगदान । AtmanirbharBharat : Contribution of Heavy Water Board.

Code/कोड :-

IL= Invited Lead Talk/आमंत्रित मुख्य वार्ता (समय: 30 मि वार्ता+10 मि. प्रश्नोत्तरी के लिए)

OP= Oral Presentation/मौखिक प्रस्तुति (समय: 12 मि. प्रस्तुति+3 मि. प्रश्नोत्तरी के लिए)

**प्रतिभागियों का ब्यौरा:**

क्रसं	श्रेणी	कल्पाकम से	अन्य शहरों से	कुल उपस्थित
1	मुख्य वार्ताकार	01	01	02
2	आलेख प्रस्तुतकर्ता	11	22	33
3	सामान्य प्रतिभागी	35	20	55
	योग	47	43	90

**समापन सत्र:**

संगोष्ठी का समापन सत्र दिनांक 12 जनवरी, 2021 को दोपहर 15:30 बजे से प्रारंभ हुआ। इस सत्र में डॉ. बी.के. नशीने, सह निदेशक, श्री शेखर कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, डॉ. अवधेष मणि, संयोजक, श्री ओ.टी.जी. नायर, निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) तथा समिति के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। सत्राध्यक्ष डॉ. बी.के. नशीने, सह निदेशक एवं श्री शेखर कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत की गई वार्ताओं और प्रस्तुतीकरण की विषय-वस्तु की समीक्षा की तथा काफी उपयोगी व स्तरीय प्रस्तुतियों के लिए सभी की सराहना की।

इस सत्र के दौरान सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी प्रतिक्रिया भी ली गई। आमंत्रित वक्ता डॉ. पुरुषोत्तम ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि कार्यक्रम काफी अच्छा और विषय-वस्तु रोचक होने और प्रत्येक विषय अलग-अलग क्षेत्रों से होने कारण पूरा कार्यक्रम काफी ज्ञानवर्धक होने की बात कही।

इसी क्रम में अन्य वार्ताकार डॉ. रामनारायण अवस्थी, श्री धनुर्धर झा, डॉ. कान्तिभूषण पांडेय, श्री अमित कुमार चौहान ने प्रतिक्रिया स्वरूप अपने विचार व्यक्त किए। कुछ अन्य प्रतिभागियों ने ईमेल संदेश लिख कर कार्यक्रम को उपयोगी बताया। सामान्य सेवा संगठन, कल्पाकम से श्री प्राफुल्ल साव ने अपने संगठन को सह-आयोजक के रूप में शामिल करने के लिए आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी। श्री प्रफुल्ल साव के साथ सासेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी मौजूद थे।



संगोष्ठी के बारे में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक प्रतिभागी

श्री ओ.टी.जी. नायर ने कार्यक्रम में अपने अनुभवों को रखते हुए कहा कि हमारी पूरी टीम की मेहनत एवं समन्वय के कारण आज यह कार्यक्रम का समापन काफी खूबसूरत तरीके से हुआ, सभी बधाई के पात्र है। डॉ अवधेश मणि ने पूरी तकनीकी टीम एवं आयोजन समिति के सदस्यों को बधाई देते कहा कि कार्यक्रम जिस तरीके से पूरा हुआ वह उम्मीदों से कई गुना अच्छा रहा। ऑनलाइन माध्यम में आयोजित करना यह हम सभी का पहला अनुभव रहा और हम इसमें खरे उतरे, साथ में यही आशा रहेगी आगे भविष्य में संगोष्ठी ऑनलाइन के माध्यम से की जाए। उन्होंने हिंदी अनुभाग के पदाधिकारियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि इनके अथक प्रयास के बदौलत आज का कार्यक्रम सफल हुआ।

समापन सत्र के अंत में श्री प्रशांत शर्मा जी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पुनः निदेशक महोदय, सीएमडी, भाविनि, निदेशक (का एवं प्र), सत्राध्यक्ष, लेखा अनुभाग, प्रशासन अनुभाग, एसआईआरडी, कंप्यूटर प्रभाग, आमंत्रित वक्ताओं, आलेख प्रस्तुतकर्ताओं, प्रतिभागियों एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों को उनके योगदान और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।





समापन सत्र के दौरान ली गई समूहिक फोटो (होस्ट रूम)

**वेब-संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुतकर्ताओं का विवरण :**

क्रमांक	वार्ताकार	पदनाम	कार्यालय का नाम
1.	डॉ. कल्लोल राय	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड, कल्पाक्कम
2.	डॉ. सूर्यकांत गुप्ता	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, भाट, गाँधीनगर, गुजरात
3.	डॉ. कान्तिभूषण पांडेय	वरिष्ठ वैज्ञानिक	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, गुजरात
4.	डॉ. बी.एन. उपाध्याय	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, इंदौर
5.	श्री राजीव शर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, भाट, गाँधीनगर, गुजरात
6.	श्री राजेश पटेल	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
7.	श्री शरीफ खान	वैज्ञानिक सहायक/ई	राजस्थान परमाणु विद्युत केंद्र, राजस्थान
8.	श्रीमती लोकेन्द्र अंजना	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	विरल पदार्थ संयंत्र, मैसूर

**अखिल भारतीय हिंदी वैज्ञानिक वेब संगोष्ठी- 11-12 जनवरी, 2021**

9.	मो. जुनैद खान	शोधार्थी	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
10.	श्री भागवत साहू	वैज्ञानिक सहायक/ई	राजस्थान परमाणु विद्युत केंद्र, राजस्थान
11.	डॉ राजनारायण अवस्थी	वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी	इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद
12.	श्री अहमद जमाल	शोधार्थी	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
13.	श्री अजय कुमार केशरी	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
14.	श्री आलोक त्रिपाठी	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुंबई
15.	श्री हरि शंकर यादव	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	विरल पदार्थ संयंत्र, मैसूर
16.	श्री अविनाश कुमार आचार्य	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
17.	मो. सिराज अंसारी	वैज्ञानिक सहायक/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
18.	श्री पुरुषोत्तम श्रीवास्तव	निदेशक, पीएजी	राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, इंदौर
19.	डॉ. रोहित कुमार	तकनीकी अधिकारी	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, देहरादून
20.	श्री एस के पाठक	उप महाप्रबंधक	नाभिकीय ईंधन समिश्च हैदराबाद
21.	श्री पंकज मिश्रा	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, इंदौर
22.	श्री अभिषेक कुमार	तकनीशियन/सी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
23.	श्रीमती मानसी गर्ग	वैज्ञानिक सहायक/डी	एईआरबी कल्पाक्कम
24.	डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, रुड़की
25.	श्री प्रीतम शर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	विरल पदार्थ संयंत्र, मैसूर
26.	श्री अमित कुमार चौहान	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
27.	श्री कान्हा चतुर्वेदी	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
28.	श्री यू. पी. श्रीवास्तव	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम

## अखिल भारतीय हिंदी वैज्ञानिक वेब संगोष्ठी- 11-12 जनवरी, 2021

29.	कुमारी प्रतिभा गुप्ता	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, भाट, गाँधीनगर, गुजरात
30.	श्री धनुर्धर झा	स्नातकोत्तर शिक्षक	परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, मुंबई
31.	श्री ज्ञानेश्वर आर मोहरीर	उप प्रचार्य	परमाणु ऊर्जा कनिष्ठ महाविद्यालय, मुंबई
32.	श्री दीपक कुमार चौधरी	संस्कृत-हिंदी शिक्षक	परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, अणुपुरम
33.	श्री गोविंद मौर्य	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	भारी पानी बोर्ड, मुंबई

### वेब-संगोष्ठी में भाग लेने वाले सामान्य प्रतिभागियों का विवरण:

सं.	नाम	पदनाम	इकाई
1.	श्री राम रीति	हिंदी शिक्षक	परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, हैदराबाद
2.	श्री पातीराम	हिंदी शिक्षक	परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, हैदराबाद
3.	श्री जी. रामचंद्र गौंड	प्राचार्य	परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, कल्पाक्कम
4.	श्री धर्मेंद्र चौधरी	हिंदी शिक्षक	परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, कल्पाक्कम
5.	श्री एस. के. सिंह	निरीक्षक	केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कल्पाक्कम
6.	श्रीमती दीपा शशिकुमार	वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी	टाटा स्मारक अस्पताल, मुंबई
7.	श्रीमती नीलम गायकवाड़	हिंदी टंकक	टाटा स्मारक अस्पताल, मुंबई
8.	डॉ. पी. के. ताम्रकर	अधीक्षक	यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, जादुगोड़ा
9.	श्री एस. एल. शिंडे	अपर प्रबंधक	यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, तुम्मालापल्ली
10.	श्री तपाधीर भट्टाचार्य	अपर प्रबंधक	यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, नरवापहाड़
11.	श्रीमति बीना के. एल.	सहायक हिंदी अधिकारी	यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, जादुगोड़ा
12.	श्री मकरंद सिद्धभट्टी	प्रणाली प्रबंधक	PO, भुवनेश्वर
13.	श्री सारथक गौतम	शोधार्थी	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
14.	श्रीमती अरीब खान	शोधार्थी	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

**अखिल भारतीय हिंदी वैज्ञानिक वेब संगोष्ठी- 11-12 जनवरी, 2021**

15.	श्री विवेक शर्मा	शोधार्थी	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
16.	श्री फहद फरीद	शोधार्थी	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
17.	डॉ. चिप्पाड़ा अंबेडकर	कनिष्ठ अनुवादक (राजभाषा)	इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद
18.	श्रीमती वी. कनका श्री महालक्ष्मी	कनिष्ठ अनुवादक (राजभाषा)	इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद
19.	श्री अजहर सुल्तान	प्रवर श्रेणी लिपिक (राजभाषा)	इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद
20.	श्री अंकुर अग्रवाल	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	विरल पदार्थ संयंत्र, मैसूर
21.	श्री पुनीत तुल्स्यान	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	विरल पदार्थ संयंत्र, मैसूर
22.	श्री उत्तम कुमार साहू	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	विरल पदार्थ संयंत्र, मैसूर
23.	श्री दिनेश कुमार	फोरमैन/बी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
24.	श्री राकेश तिवारी	तकनीकी अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
25.	श्री प्रेमचन्द्र	वैज्ञानिक सहायक/ई	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
26.	श्री कृष्ण कुमार	वैज्ञानिक सहायक/ई	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
27.	डॉ. एच. शेषाद्री	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
28.	श्री गौतम आनंद	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
29.	श्री चैत लाल ठाकुर	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
30.	श्री परमानंद कुमार	तकनीकी अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
31.	श्री अभिजीत चक्रवर्ती	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
32.	सुश्री लता बिष्ट	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
33.	श्री बी. राधाकृष्णन	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र,

**अखिल भारतीय हिंदी वैज्ञानिक वेब संगोष्ठी- 11-12 जनवरी, 2021**

			कल्पाक्कम
34.	डॉ. सवर्णला रॉव पोलकी	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
35.	सुश्री रेवती रानी	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
36.	श्री मंतोष मंडल	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
37.	श्री गणेशन वी	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
38.	श्री एस गोपीनाथ	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
39.	श्री समीर कुमार पॉल	तकनीशियन/एफ	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
40.	श्रीमती एम ज्योति	फोरमैन/बी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
41.	श्री मोहित कुमार यादव	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
42.	श्री वी. परमेश्वरण	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
43.	श्रीमती विनयलता एस.	मुख्य प्रशासन अधिकारी	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
44.	श्रीमती वनजा नागराजू	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
45.	श्री पल्लव चौधुरी	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
46.	श्री सी. बार्थसारथी	प्रशासन अधिकारी-III	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
47.	श्री के.वी.माधवदास	प्रशासन अधिकारी-III	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
48.	श्री वी.के. जानकीरामण	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
49.	श्रीमती सीना संगमप्रसाद	सहायक कार्मिक अधिकारी	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
50.	श्रीमती वी. पद्मिनि	सहायक कार्मिक अधिकारी	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
51.	श्रीमती सरिता सुहेल खान	सहायक कार्मिक अधिकारी	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
52.	श्रीमती के. भाग्यलक्ष्मी	वैज्ञानिक सहायक/ई	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
53.	श्री अभिषेक गुप्ता	वैज्ञानिक सहायक/डी	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
54.	श्री. जी. कुमार	प्रारूपकार/ई	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम
55.	श्री प्रफुल्ल साव	वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी	सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम

आयोजन समिति की रूपरेखा

<b>मुख्य संरक्षक</b>
डॉ. अरुण कुमार भादुड़ी निदेशक, इंगांपअके
<b>संरक्षक</b>
डॉ. बी.के. नशीने, सह निदेशक श्री वी.मनोहरन, निदेशक, सासेसं
<b>मार्गदर्शन</b>
श्री ओ.टी.जी. नायर, निदेशक (का एवं प्र) श्रीमती एस.विनयलता, मप्रअ, सासेसं
<b>संपादन एवं तकनीकी समन्वय</b>
डॉ. अवधेश मणि, वैअ/एच (संयोजक) डॉ. वाणी शंकर, वैअ/जी (सह-संयोजक ) श्री नरेंद्र कुमार कुशवाहा, वैअ/एफ (सह-संयोजक-तकनीकी) श्री प्रशांत शर्मा, वैअ/एफ श्री प्रणय कुमार सिन्हा , वैअ/ई श्री के. साई कण्णन, उलेनि श्री जे. श्रीनिवास, उनि (राभा)
<b>संपादन, पंजीकरण एवं कार्यालयीन सहयोग</b>
श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता, हिं.टं. श्री सुकांत सुमन, कअअ श्री प्रफुल्ल साव, वअअ, सासेसं

